RJS Mains Paper 2024

Hindi Language

Note: Attempt all questions. Marks of each question are mentioned against the question.
नोट: समस्त प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उसके समक्ष अंकित किये गये हैं।

प्रश्न संख्या 1 **[20 Marks]**

निम्नलिखित में से किसी एक पर अधिकतम 600 शब्दों में निबन्ध लिखिए-

(अ) तीन नये आपराधिक कानून : पक्ष और विपक्ष

(ब) दलबदल कानून : कितना प्रभावी कितना कारगर

प्रश्न संख्या 2 **[15 Marks]**

निम्नलिखित में से किसी एक पर अधिकतम 450 शब्दों में निबंध लिखिए ।

(अ) बढ़ते उद्योग - घटती प्राकृतिक विरासत

(ब) वीरों की भूमि : राजस्थान

प्रश्न संख्या 3 **[15 Marks]**

निम्नलिखित में से किसी एक पर अधिकतम 450 शब्दों में निबंध लिखिए

(अ) आधुनिकता की दौड : प्राचीन मूल्यों की मृत्यु

(ब) मीडिया का कर्तव्य: जनता को सूचित करना है या जनता की राय को प्रभावित करना

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
www.LinkingLaws.com
Linking Laws Tansukh Sir
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

RJS Mains Paper 2024

English Language

Question No. 1 [20 Marks]

Write an essay on any one of the following in about 500 words -

(A) Acquittal and Honorable Acquittal

(B) Judges speaks through pen only

Question No. 2 [15 Marks]

Write an essay on any one of the following in about 400 words -

(A) Historical background of Rajasthan

(B) Identity of Rajasthan : Festivals and Fairs

Question No. 3 [15 Marks]

Write an essay on any one of the following in about 400 words -

(A) Chandrayan -3: A proud moment

(B) Falling parliamentary morals in India

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
www.LinkingLaws.com
Linking Laws Tansukh Sir
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

RJS Mains Paper 2024

Paper- II (Criminal Law)

Note: Attempt all questions. Marks of each question are mentioned against the question.
नोट: समस्त प्रश्नों के उत्तर दीजिये । प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उसके समक्ष अंकित किये गये हैं ।

1. What do you mean by commutation of sentence of death and imprisonment for life? Explain.
मृत्यु दण्डादेश एवं आजीवन कारावास के दण्डादेश के लघुकरण से आप क्या समझते हैं ? व्याख्या कीजिए |

[3 Marks]

2. Anurag instigates Manveer to commit the murder of Savita. The offence is not committed. Whether Anurag has committed any offence? if so, what maximum punishment can be awarded to him?
अनुराग, मनवीर को सविता की हत्या करने के लिए उकसाता है । वह अपराध कारित नहीं किया जाता है। क्या अनुराग ने कोई अपराध कारित किया है? यदि हां, तो उसे अधिकतम कितना दण्ड दिया जा सकता है?

[3 Marks]

3. Define briefly the procedure of arrest and duties of officer making arrest.
गिरफ्तारी की प्रक्रिया तथा गिरफ्तार करने वाले अधिकारी के कर्तव्यों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए ।

[3 Marks]

4. What is the summary procedure for trial for giving false evidence?
मिथ्या साक्ष्य देने पर विचारण के लिए संक्षिप्त प्रक्रिया क्या है?

[3 Marks]

5. Manmohan prosecutes Nirmala for the theft of his car, wherein, Nirmala is convicted for the offence of theft. Later on, Manmohan files a suit for the possession of his car against Yogesh, to whom Nirmala had sold that car. Make brief comments about the relevancy of the said judgement of the conviction of Nirmala, in the suit between Manmohan and Yogesh.
मनमोहन अपनी कार की चोरी के लिए निर्मला को अभियोजित करता है, जिसमें निर्मला को चोरी के अपराध के लिए दोषसिद्ध किया जाता है । बाद में, मनमोहन एक वाद योगेश जिसे निर्मला ने वह कार बेच दी थी, के विरुद्ध अपनी कार के कब्जे के लिए दायर करता है । मनमोहन तथा योगेश के मध्य वाद में, निर्मला की दोषसिद्धि के उक्त निर्णय की सुसंगतता पर एक संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए ।

[3 Marks]

6. Explain briefly the time limits mentioned under Section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881.
परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 में अंकित समय सीमाओं की संक्षेप में व्याख्या कीजिए |

[3 Marks]

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
www.LinkingLaws.com
Linking Laws Tansukh Sir
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

7. Explain briefly the provision under the Probation of Offenders Act, 1958, regarding removal of disqualification attaching to conviction.
अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 के अंतर्गत दोषसिद्धि में संलग्न, निरर्हता को हटाये जाने से सम्बन्धित प्रावधान की संक्षेप में व्याख्या कीजिए ।

[3 Marks]

8. A publisher publishes a book "How to feed a child", wherein, nacked breast of a woman feeding milk to a child is shown. Whether such publication should be banned under the provisions of the Indecent Representation of Women (Prohibition) Act, 1986? Explain briefly with the help of relevant provisions of law.
एक प्रकाशक " शिशु को दूध कैसे पिलाएं" नामक पुस्तक प्रकाशित करता है, जिसमें एक महिला के नग्न स्तन बच्चे को दूध पिलाते हुए दर्शित किए गये हैं। क्या ऐसी पुस्तक के प्रकाशन पर महिलाओं का अशिष्ट रूपण (प्रतिषेध) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत रोक लगाई जानी जाहिए । विधि के सुसंगत प्रावधानों की मदद से संक्षेप में व्याख्या कीजिए ।

[3 Marks]

9. According to the provisions of The Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012, what is the "Presumption of culpable mental state"?
लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के प्रावधानों के अनुसार, "आपराधिक मानसिक दशा की उपधारणा" क्या है?

10. What action can be taken during the pendency of inquiry, on a written request made by the aggrieved woman under the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013 ? Explain in brief.
महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के अंतर्गत जांच के लम्बित रहने के दौरान व्यथित महिला के लिखित अनुरोध पर क्या कार्यवाही की जा सकती है ? संक्षेप में व्याख्या कीजिए |

[3 Marks]

11. When the right of private defence of body and property commence and up to when it continues? Explain briefly.
शरीर एवं सम्पत्ति की प्राईवेट प्रतिरक्षा का अधिकार कब प्रारम्भ होता है एवं कब तक बना रहता है? संक्षेप में समझाइए |

[4 Marks]

12. Explain briefly the procedure of alteration of allowances granted under section 125 of the Code of Criminal Procedure, 1973.
दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 125 के अंतर्गत दिये गये भत्ते में परिवर्तन करने की प्रक्रिया की संक्षेप में व्याख्या कीजिए ।

[4 Marks]

13. During the investigation of a murder case in Delhi, investigating officer come to know that the evidence of a Japanese citizen residing in Japan is very important in the matter. What is the procedure of recording of the evidence of that witness? Explain with relevant provisions of law.

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
www.LinkingLaws.com
Linking Laws Tansukh Sir
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

दिल्ली में एक हत्या के अपराध के अन्वेषण के दौरान, अन्वेषण अधिकारी के ज्ञान में यह बात आती है कि जापान में रहने वाले एक जापानी नागरिक की साक्ष्य मामले में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है । उस साक्षी की साक्ष्य लेखबद्ध करने की क्या प्रक्रिया है । विधि के सुसंगत प्रावधानों सहित व्याख्या कीजिए ।

[4 Marks]

14. What is the meaning of "Protection Orders" under the provisions of the Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005?
घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अंतर्गत "संरक्षण आदेश" का तात्पर्य क्या है?

[4 Marks]

15. "Under the Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012, trial must be conducted in the open court and child must be so capable that during trial so as to talk to the accused by making an eye contact." Make a short note about the correctness of above statement, with the help of relevant provisions of law.
"लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के अंतर्गत विचारण खुले न्यायालय में होना चाहिए तथा बालक इतना सक्षम होना चाहिए कि विचारण के समय अभियुक्त की आंख में आंख डालकर बात कर सके ।" विधि के सुसंगत प्रावधानों की मदद से उक्त कथन की सत्यता के सम्बन्ध में एक लघु लेख लिखें ।

[4 Marks]

16. Every murder is culpable homicide but every culpable homicide is not murder. Explain.
प्रत्येक हत्या आपराधिक मानव वध है परन्तु प्रत्येक आपराधिक मानव वध हत्या नहीं है । व्याख्या कीजिए ।

[6 Marks]

17. Virendra is posted as station house officer of police station Civil Lines. His wife Rajwati is posted as clerk in electricity department. Both of them were not on talking terms and Rajwati started living with her parents in the same city and lodged First Information Report against Virendra under section 498A and 406 India Penal Code. Rajwati brought to police station Civil Lines after arresting for the offence of theft of Government property from her office. Virender committed sexual intercourse with Rajwati without her consent within the limits of the police station. Rajwati prosecuted Virendra for the offence of rape. With the help of relevant provisions of law, explain the criminal liability of Virendra.
वीरेन्द्र थाना सिविल लाइन्स में भारसाधक अधिकारी के पद पर पदस्थापित है । उसकी पत्नी राजवती बिजली विभाग में लिपिक के पद पर पदस्थापित है। दोनों में बोलचाल बन्द है तथा राजवती उसी शहर में अपने माता पिता के साथ रहने लगती है तथा वीरेन्द्र के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता धारा 498क व 406 के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराती है। राजवती को अपने दफ्तर से सरकारी सम्पत्ति चोरी करने के अपराध में गिरफ्तार कर थाना सिविल लाइन्स में लाया जाता है । वीरेन्द्र थाने की सीमाओं में राजवती की इच्छा के विरुद्ध उसके साथ सम्भोग करता है। राजवती वीरेन्द्र को बलात्कार के अपराध के लिए अभियोजित करती है । विधि के सुसंगत प्रावधानों की मदद से वीरेन्द्र के आपराधिक दायित्व की व्याख्या कीजिए |

[6 Marks]

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
www.LinkingLaws.com
Linking Laws Tansukh Sir
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

18. When police may arrest without warrant? Explain.
पुलिस वारण्ट के बिना कब गिरफ्तार कर सकती है ? व्याख्या कीजिए ।

[6 Marks]

19. "Prosecution has to prove its case beyond reasonable doubt." Explain the above statement in detail with the help of relevant provisions of law. What are the circumstances when such burden shifts upon the accused?
" अभियोजन पक्ष को अपने मामले को युक्तियुक्त संदेह से परे साबित करना होता है ।" उक्त कथन की विधि के सुसंगत प्रावधानों की मदद से विस्तृत व्याख्या कीजिए । वह कौनसी परिस्थितियां हैं जब यह भार अभियुक्त पर स्थानान्तरित हो जाता है?

[6 Marks]

20. Explain any three of the following keeping in view of the definitions provided under the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015 -
किशोर न्याय (बालकों की देख-रेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के अंतर्गत प्रावधानित परिभाषाओं का ध्यान रखते हुए निम्नलिखित में से किन्ही तीन को स्पष्ट कीजिए -

[6 Marks]

A. Child in conflict with law
विधि का उल्लंघन करने वाला बालक
B. Aftercare
पश्चातवर्ती देखरेख
C. District Child Protection Unit
जिला बाल संरक्षण एकक
D. Group Foster Care
सामूहिक पोषण देखरेख
E. Place of Safety
सुरक्षित स्थान

21. One day, 16 years old Akashdeep along with his friends organize a liquor party in a bar up to 2 am. After getting drunk, at 2 am, he was going alone to his home by BMW car. Simran Kaur along with her 4-year-old son Montu was standing on the side of road near the tea stall of Shankar. Akashdeep while driving the car at a speed of 100 Km per hour struck against them. As a result of which, grievous hurts were caused to Simran Kaur and Montu died at the spot. First Information Report was lodged and after completion of investigation chargesheet was filed against Akashdeep. Charge framed and explained to Akashdeep, thereupon, he denied the charge and claimed trial. During trial prosecution produced eye witnesses Simran Kaur & Shankar and expert who conducted mechanical inspection of car, investigating officer, Station House Officer, Bar operator and the doctors who conducted medical of Simran Kaur & Postmortem of Montu, as witnesses. All the witnesses had supported the prosecution story. Frame Charge and write a logical judgment.

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
www.LinkingLaws.com
Linking Laws Tansukh Sir
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

एक दिन, 16 वर्षीय आकाशदीप अपने दोस्तों के साथ सुबह दो बजे तक एक बार में शराब की पार्टी का आयोजन करता है। वह नशे में धुत्त होकर सुबह दो बजे बीएमडब्ल्यू कार से अकेला अपने घर जा रहा था । सिमरन कौर अपने चार साल के बेटे मोन्टू के साथ शंकर की चाय की थड़ी के पास सड़क के किनारे खड़ी थी । आकाशदीप 100 किलोमीटर प्रतिघण्टा की रफ्तार से कार चलाते हुए उनको टक्कर मार देता है। जिसके फलस्वरूप सिमरन कौर को गम्भीर उपहति कारित होती है तथा मोन्टू की मौके पर ही मृत्यु हो जाती है। प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की जाती है तथा अनुसंधान पूर्ण होने पर आकाशदीप के विरुद्ध आरोप पत्र पेश किया जाता है। आकाशदीप को आरोप विरचित कर सुनाया व समझाया गया जिसपर उसने आरोप से इन्कार कर अन्वीक्षा चाही । विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष ने चक्षुदर्शी साक्षीगण सिमरन कौर व शंकर एवं कार का मैकेनिकल मुआयना करने वाले विशेषज्ञ, अन्वेषण अधिकारी, थाने के भारसाधक अधिकारी, बार संचालक तथा सिमरन कौर का मेडिकल व मोन्टू का पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों को गवाहान के रूप में पेश किया। सभी गवहान ने अभियोजन कहानी का समर्थन किया । आरोप विरचित कीजिए और एक तर्कसंगत निर्णय लिखिए |

[10 Marks]

22. An accused namely Sandeshpal was being taken by a police party from Ahmedabad to Agra by a Jeep for producing before the court. In Dausa district, Sandeshpal asked the police team for urinating. On this, Jeep was stopped and one constable Harish after handcuffing Sandeshpal alighted from Jeep for urinating. Suddenly, Sandeshpal gives a powerful punch at the abdomen of Harish and fled away with handcuffs. First Information Report was lodged at the police station. Sandeshpal was arrested and after completion of investigation, charge sheet was filed. During trial, all the members of police party, Investigating Officer, Station House Officer, witness of the arrest of Sandeshpal and doctor who conducted medical examination of Harish were produced as witnesses and all the witnesses had given positive evidence. Frame Charge and write a logical judgment.

पुलिस की एक टोली संदेशपाल नाम के एक अभियुक्त को अहमदाबाद से आगरा न्यायालय के समक्ष पेश करने के लिए जीप से ले जा रही थी । दौसा जिले में, संदेशपाल पुलिस की टोली से पेशाब करने को कहता है। जिसपर जीप रोकी जाती है तथा एक सिपाही हरीश हथकड़ी लगाकर संदेशपाल को पेशाब कराने के लिए जीप से उतरता है । अचानक, संदेशपाल हरीश के पेट में एक जबरदस्त घूंसा मारता है तथा हथकड़ी के साथ वहां से भाग जाता है। पुलिस थाने में प्रथम सूचना रिपोर्ट पेश की जाती है। संदेशपाल को गिरफ्तार कर लिया जाता है तथा अनुसंधान पूर्ण होने पर आरोप पत्र पेश किया जाता है। विचारण के दौरान, पुलिस पार्टी के सभी सदस्यों, अन्वेषण अधिकारी, थाने के भारसाधक अधिकारी, संदेशपाल की गिरफ्तारी के साक्षी तथा हरीश का मेडिकल मुआयना करने वाले डाक्टर को साक्षी के रूप में पेश किया जाता है तथा सभी साक्षीगण सकारात्मक साक्ष्य देते हैं। आरोप विरचित कीजिए और एक तर्कसंगत निर्णय लिखिए ।

[10 Marks]

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
www.LinkingLaws.com
Linking Laws Tansukh Sir
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

RJS Mains Paper 2024

Paper- I (Civil Law)

Note: Attempt all questions. Marks of each question are mentioned against the question.
नोट: समस्त प्रश्नों के उत्तर दीजिये । प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उसके समक्ष अंकित किये गये हैं ।

1. What is the procedure to be adopted, when defendant refuses to accept service of summons or cannot be found? Explain with the help of relevant provisions of the Code of Civil Procedure, 1908.
क्या प्रक्रिया अपनाई जाएगी जब प्रतिवादी समन की तामील लेने से इन्कार करता है या नहीं मिलता है ? सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के सुसंगत प्रावधानों की सहायता से व्याख्या कीजिए ।

[3 Marks]

2. Is subsequent suit for rent arrears maintainable after the suit for possession has been decided ? Explain.
कब्जे के लिए वाद निर्णीत हो जाने के बाद, क्या बकाया किराए के लिए उत्तरवर्ती वाद पोषणीय है? व्याख्या कीजिए ।

[3 Marks]

3. What is the difference between "Constructive Res Judicata" and "Suit to include whole claim "? Explain.
" रचनात्मक पूर्व- न्याय" एवं "वाद के अंतर्गत सम्पूर्ण दावा होना " के मध्य क्या अन्तर है? व्याख्या कीजिए ।

[3 Marks]

4. What are the claims that can be joined for recovery of immovable property without the leave of court ? Explain.
वे दावे क्या हैं जो न्यायालय की अनुमति के बिना अचल सम्पत्ति के प्रत्युद्धरण के लिए जोड़े जा सकते ? व्याख्या कीजिए ।

[3 Marks]

5. Anuj, a party, on trial before the District Judge, pleaded that a deposition was improperly taken by the Civil Judge. Whether Civil Judge be compelled to answer the questions regarding that plea? Explain with the help of relevant provision.
अनुज, एक पक्षकार, जिला न्यायाधीश के समक्ष विचारण में तर्क करता है कि सिविल न्यायाधीश ने एक बयान अनुचित तरीके से लिया है। क्या सिविल न्यायाधीश को उस दलील के सम्बन्ध में प्रश्नों का उत्तर देने के लिए विवश किया जाएगा? सुसंगत प्रावधान की मदद से व्याख्या कीजिए ।

[3 Marks]

6. "Facts not otherwise relevant become relevant" is based on the principle of essential inconsistency. Explain with the help of suitable examples and relevant provision.
"तथ्य जो अन्यथा सुसंगत नहीं है, सुसंगत हो जाते हैं" आवश्यक असंगति के सिद्धान्त पर आधारित है । यथोचित उदाहरण तथा सुसंगत प्रावधान की मदद से व्याख्या कीजिए ।

[3 Marks]

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
www.LinkingLaws.com
Linking Laws Tansukh Sir
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

7. Explain the presumption related to "electronic signature" and " electronic records".
" इलैक्ट्रानिक हस्ताक्षर " एवं " इलैक्ट्रानिक अभिलेखों" के सम्बन्ध में उपधारणा की व्याख्या कीजिए ।

[3 Marks]

8. "Whatever relevant is not necessarily admissible but whatever admissible is relevant". Explain.
"जो भी सुसंगत है वह आवश्यक रूप से स्वीकृत नहीं है परन्तु जो भी स्वीकृत है वह सुसंगत है" व्याख्या कीजिए |

[3 Marks]

9. What is the period of limitation and when it begins to run in the following cases –
निम्न मामलों में परिसीमा काल क्या है तथा कब यह चलना आरम्भ होता है-
   A. To set aside an abatement under the Code of Civil Procedure
   सिविल प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत उपशमन को अपास्त करने के लिए
   B. To set aside a sale in execution of a decree
   डिक्री के निष्पादन में विक्रय को अपास्त करने के लिए
   C. For compensation for a malicious prosecution
   विद्वेषपूर्ण अभियोजन के निमित्त प्रतिकर के लिए

[3 Marks]

10. A surety is like a favoured creditor. Explain.
प्रतिभू एक पसंदीदा ऋणदाता जैसा है। व्याख्या कीजिए ।

[4 Marks]

11. What are the relevant provisions related to preventive detention under the Constitution of India? Explain.
भारत के संविधान के अंतर्गत निवारण निरोध से संबन्धित सुसंगत प्रावधान क्या हैं? व्याख्या कीजिए ।

[4 Marks]

12. "A contract cannot be specifically enforced where a party to the contract has obtained substituted performance of contract". While explaining briefly the above statement, describe the provisions regarding substituted performance of contract in the Specific Relief Act, 1963.
"एक संविदा का विनिर्दिष्टतः प्रवर्तन नहीं कराया जा सकता जहां संविदा के एक पक्षकार ने संविदा का प्रतिस्थापित पालन अभिप्राप्त कर लिया है ।" उक्त कथन को संक्षिप्त में स्पष्ट करते हुए संविदा के प्रतिस्थापित पालन के संबन्ध में विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 के प्रावधान उल्लेखित कीजिए ।

[4 Marks]

13. Write a short note on the following-
निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए
   A. Noscitur a sociis (नोसीटर एसोसिस)
   B. Rule of ejusdem generis (एजुस्डम जैनेरिस का सिद्धांत)

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
www.LinkingLaws.com
Linking Laws Tansukh Sir
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

14. Distinguish an 'offer' from an 'invitation to offer' under the Indian Contract Act, 1872. Refer to relevant case law.
भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 के अंतर्गत एक "प्रस्ताव" से एक "प्रस्ताव के निमंत्रण" को विभेदित कीजिए। सुसंगत निर्णित विधि को संदर्भित करें।

[4 Marks]

15. What is the procedure for recovery of immediate possession, under the Rajasthan Rent Control Act, 2001.
राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 के अंतर्गत तत्काल कब्जे के प्रत्युद्धरण की क्या प्रक्रिया है?

[4 Marks]

16. When the court shall reject an application for permission to sue as indigent person? Explain by referring the relevant provisions of the Code of Civil Procedure, 1908.
कब न्यायालय निर्धन व्यक्ति के रूप में वाद लाने की अनुज्ञा के लिए आवेदन को नामंजूर कर देगा? सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के सुसंगत प्रावधानों को संदर्भित करते हुए व्याख्या कीजिए ।

[6 Marks]

17. What is the procedure for application for discovery of documents and what are the consequences of non compliance with order for discovery by the court? What is the meaning of "production of documents"? Explain with the help of relevant provisions of the Code of Civil Procedure, 1908.
दस्तावेजों के प्रकटीकरण के आवेदन की प्रक्रिया क्या है और न्यायालय के प्रकटीकरण के आदेश का अननुपालन के क्या परिणाम हैं ? " दस्तावेजों का पेश किया जाना से क्या अभिप्रेत है? सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के सुसंगत प्रावधानों की सहायता से व्याख्या कीजिए ।

[6 Marks]

18. In which cases secondary evidence related to documents may be given? Explain with the help of relevant provision of Indian Evidence Act, 1872.
किन मामलों में दस्तावेजों के सम्बन्ध में द्वितीयक साक्ष्य दी जा सकती है? भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के सुसंगत प्रावधान की मदद से व्याख्या कीजिए ।

[6 Marks]

19. What kind of property cannot be transferred? Explain with the help of relevant provision.
किस प्रकार की सम्पत्ति हस्तांतरित नहीं की जा सकती ? सुसंगत प्रावधानों की मदद से व्याख्या कीजिए ।

[6 Marks]

20. Write short note on any three of the following -
निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर लघु लेख लिखिए-

[6 Marks]

A. Actionable Claim
अनुयोज्य दावे

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
www.LinkingLaws.com
Linking Laws Tansukh Sir
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

B. Spes Successions
संभाव्य उत्तराधिकार

C. Usufructuary mortgage
भोग बंधक

D. Subrogation
प्रत्यासन

E. Onerous gift
दुर्भर दान

21. Rajiv and his mother filed a suit against defendants in the year 1960 for partition and separate possession of their one-third share described in the plaint and for rendition of accounts. The suit was in respect of non-agricultural plots and movables.
The suit was decreed on 25.02.1964 directing a preliminary decree of partition be drawn in regard to the one-third share of the plaintiffs in the said plots and a final decree be drawn up through appointment of a commissioner for actual division of the plots by metes and bounds.
The defendants filed an appeal before the High Court which was dismissed on 29.03.1974.
The plaintiff filed an application on 01.05.1987 for drawing up a final decree. The defendants filed an application to drop the proceedings of final decree as it is barred by limitation. He further contends that the application for final decree is governed by Article 137 Limitation Act, which provides that where no period of limitation • provided for any other application in the Limitation Act, the period of limitation is three years.
Write an order dealing with arguements of defendants regarding limitation and what are the essential requirement in a preliminary decree and final decree of partition.
राजीव और उसकी माता वर्ष 1960 में प्रतिवादियों के विरुद्ध विभाजन तथा वाद में वर्णित अपने एक-तिहाई हिस्से के पृथक कब्जे तथा खातों के प्रतिपादन के लिए वाद दायर करते हैं । वाद गैर - कृषि भूखण्डों तथा चल सम्पत्तियों के बारे में था ।
वाद दिनांक 25.02.1964 को उक्त भूखण्डों में वादीगण एक तिहाई हिस्से के सम्बन्ध में प्रारम्भिक डिक्री तैयार करने तथा कमिश्नर नियुक्ति के जरिए मीट्स एवं बाउन्डस द्वारा भूखण्डों के वास्तविक विभाजन पर अंतिम डिक्री तैयार के निर्देश के साथ डिक्री हुआ ।
प्रतिवादीगण ने उच्च न्यायालय में अपील दायर की जो दिनांक 29.03.1974 को खारिज कर दी गई।
वादी ने दिनांक 01.05.1987 को अंतिम डिक्री तैयार करने के लिए एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया । प्रतिवादीगण ने अंतिम डिक्री तैयार करने की कार्यवाही को ड्रॉप करने के लिए एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया क्योंकि यह परिसीमा से बाधित है। उसने आगे तर्क किया कि अंतिम डिक्री का प्रार्थना पत्र परिसीमा अधिनियम के अनुच्छेद 137 के अधीन आता है जो प्रावधानित करता है कि जहां परिसीमा अधिनियम में किसी अन्य प्रार्थना पत्र के लिए कोई परिसीमा अवधि नियत नहीं की गई है, परिसीमा अवधि तीन वर्ष की होगी ।
परिसीमा के संबन्ध में प्रतिवादीगण के तर्कों तथा विभाजन की प्रारम्भिक डिक्री एवं अंतिम डिक्री के लिए क्या आवश्यक अपेक्षाएं हैं, की चर्चा करते हुए एक आदेश लिखिए ।

[10 Marks]

22. Suresh filed a suit for specific performance of contract and permanent injunction against Ashwani on 12.12.2010. Suresh pleaded that he and Ashwani entered into an agreement to sale on 10.10.2007. Ashwani through this agreement to sale agreed to sell his half share in the property

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
www.LinkingLaws.com
Linking Laws Tansukh Sir
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

admeasuring five bigha situated in village Rampura for a total sale consideration of Rs. 5 lacs. Suresh pleaded that he paid Rs. 1 lac to Ashwani at the time of agreement to sale. The balance sale consideration is to be paid at the time of registration of sale deed. The sale deed will be registered on 13.12.2007. On 13.12.2007 Suresh reached the office of Sub-Registrar to get the sale deed registered in his favour. He contended that on that day he having the balance sale consideration and sufficient amount for the expenses to get the sale deed registered. He waited sufficiently but Ashwani did not come and he called upon Ashwani but he did not pick up his call. Therefore, he sent a legal notice to Ashwani on 15.12.2007 to rescind the balance sale consideration from him and to get the sale deed registered in his name but Ashwani did not get the sale deed registered in his fevour. Hence, this suit.

Ashwani denied each and every averment of Suresh. He denied that he entered into agreement to sale in favour of Suresh. His signatures were taken by Suresh on some blank papers as Suresh was previously his friend. He further contended that the said property is joint property which cannot be sold off without partition. He did not enter into any agreement to sale with Suresh. No question arises for him to be present at the office of Sub-Registrar on 13.12.2007. He did not receive any notice nor Suresh call him for registration of sale deed. He also contended that if, Suresh had ready and willing to perform his part of contract, he must file the suit immediately and not waited for almost three years.

During the trial Suresh examined himself and one attesting witness of the agreement. Ashwani examined himself before the court. Frame the issues and write a judgment.

सुरेश संविदा के विनिर्दिष्ट पालन तथा स्थाई व्यादेश के लिए एक वाद दिनांक 12.12.2010 को अश्वनी के विरुद्ध दायर करता है। सुरेश तर्क करता है कि उसने तथा अश्वनी ने दिनांक 10.10.2007 को विक्रय के लिए एक करार किया। इस विक्रय करार के जरिए अश्वनी गांव रामपुरा में अपने आधे हिस्से की पांच बीघा भूमि कुल 5 लाख रुपये के विक्रय प्रतिफल पर विक्रय करने को राजी हुआ। सुरेश ने अभिवचन किया कि उसने विक्रय करार के समय अश्वनी को 1 लाख रुपये अदा कर दिए। बकाया विक्रय प्रतिफल विक्रय पत्र के पंजीकरण के समय अदा किया जाना है। विक्रय पत्र दिनांक 13.12.2007 को पंजीकृत कराया जाएगा। दिनांक 13.12.2007 को सुरेश उप पंजीयक के कार्यालय में अपने हक में विक्रय पत्र पंजीकृत कराने पहुंच गया। उसका तर्क है कि उस दिन उसके पास बकाया विक्रय प्रतिफल राशि तथा विक्रयपत्र पंजीकृत कराने के खर्चों के लिए पर्याप्त राशि थी । उसने पर्याप्त इंतजार किया परन्तु अश्वनी नहीं आया तथा उसने अश्वनी को फोन किया परन्तु अश्वनी ने फोन नहीं उठाया । इसलिए उसने दिनांक 15.12.2007 को अश्वनी को एक विधिक नोटिस शेष प्रतिफल राशि रद्द करने तथा विक्रय पत्र अपने हक में पंजीकृत कराने का दिया परन्तु अश्वनी ने उसके हक में विक्रय पत्र पंजीकृत नहीं करवाया जिस कारण वाद प्रस्तुत करना पड़ा।

अश्वनी ने सुरेश के प्रत्येक कथन को अस्वीकार किया है। उसने सुरेश के हक में विक्रय के करार करने से भी इन्कार किया है। उसके हस्ताक्षर सुरेश ने खाली कागजों पर करा लिए थे चूंकि पूर्व में सुरेश उसका मित्र था । उसने आगे तर्क किया है कि उक्त सम्पत्ति एक संयुक्त संपत्ति है जो विभाजन के बिना बेचान नहीं की जा सकती है। उसने सुरेश के साथ कोई विक्रय का करार नहीं किया था । उपपंजीयक के कार्यालय में दिनांक 13.12.2007 को उसके उपस्थित होने का कोई प्रश्न ही पैदा नहीं होता है। उसे कोई नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है ना ही सुरेश ने उसे विक्रय पत्र पंजीकृत कराने के लिए कोई फोन किया था । उसने यह भी तर्क दिया है कि सुरेश संविदा के अपने भाग की पालना करने को तैयार और तत्पर था तो उसे तुरन्त ही वाद दायर करना चाहिए था तथा करीब तीन वर्षों तक इंतजार नहीं करना चाहिए था।

विचारण के दौरान सुरेश ने स्वयं को तथा करार के एक प्रमाणक साक्षी को परीक्षित कराया है। अश्वनी ने स्वयं को न्यायालय के समक्ष परीक्षित कराया है।

विवाद्यक विरचित करें तथा निर्णय लिखें।

Scan this QR Code to Linking Laws BIOs
www.LinkingLaws.com
Linking Laws Tansukh Sir
Get Subscription Now
Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)